राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–72/2026

राज्यपाल ने एम्स, पटना के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लिया

पटना 06 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने एम्स, पटना के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लिया और उपाधि व पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा संस्थान के शिक्षकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो न केवल उनके करियर की दिशा तय करता है, बल्कि उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत भी करता है।

राज्यपाल ने चिकित्सा के पेशे को अत्यंत महान एवं प्रतिष्ठित बताते हुए कहा कि यह मानव सेवा का एक श्रेष्ठ साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने पेशे के प्रति जिम्मेदारी, समर्पण और संवेदनशीलता बनाए रखने को कहा।

उन्होंने विशेष रूप से वर्ष 2020 से 2022 के दौरान कोविड–19 महामारी के समय चिकित्सा समुदाय की भूमिका की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि जब पूरी दुनिया इस अभूतपूर्व संकट से जूझ रही थी, तब भारत के चिकित्सकों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों ने असाधारण साहस और नेतृत्व का परिचय देते हुए देश को संकट से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद भारत ने शीघ्र ही पुनः विकास की गति प्राप्त की, जिसमें चिकित्सा समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

राज्यपाल ने सेना में अपने अनुभवों को साझा करते हुए चिकित्सा सेवाओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कश्मीर में कोर कमांडर के रूप में कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने सबसे पहले 92 बेस हॉस्पिटल का दौरा किया, ताकि सैनिकों में यह विश्वास सुदृढ़ किया जा सके कि घायल होने पर उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा प्राप्त होगी।

आगे पृष्ठ.....2 पर

उन्होंने 1962 के भारत–चीन युद्ध का उल्लेख करते हुए कैप्टन बी० के० नाथ के बलिदान को याद किया, जिन्होंने घायल सैनिकों का उपचार करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 1988 में श्रीलंका में सैन्य अभियान के दौरान एक नर्सिंग असिस्टेंट द्वारा कठिन परिस्थितियों में घायल सैनिकों की सेवा के प्रेरणादायक उदाहरण को भी साझा किया।

राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से संबंधित ऐसे अनुभव सेवा, साहस और त्याग के सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करते हैं और युवा चिकित्सकों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने छात्रों को अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ–साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को समाज के वंचित वर्गों के लिए भी समय निकालना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि देश में एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना से चिकित्सा क्षेत्र की क्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है और भविष्य में देश के विभिन्न हिस्सों में उत्कृष्ट चिकित्सा केंद्र विकसित होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पटना भी चिकित्सा उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

.....